

## वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24

### 1. उपोद्घात

- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पूर्णतः एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है, पूरे भारत में इसके कुल 13 परिसर हैं। इस विश्वविद्यालय को हाल ही में NAAC द्वारा A++ ग्रेड से मान्यता दी गई है। इस प्रकार त्रिपुरा के पास अपने शैक्षिक केंद्र के हिस्से के रूप में NAAC द्वारा A++ ग्रेड वाला एक परिसर है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने 04-06-2013 से त्रिपुरा में अपनी यात्रा शुरू की है।
- इसे त्रिपुरा सरकार द्वारा दो परिसर आवंटित किए गए हैं – एक परिसर लेम्बुचेरा में 3.25 एकड़ और दूसरा तारानगर मोहनपुर में 9.22 एकड़। लेम्बुचेरा के 3.25 एकड़ के परिसर में, परिसर की शैक्षणिक और प्रशासनिक शाखाएँ चलाई जा रही हैं।
- वर्तमान में यह परिसर शिक्षार्थियों के लिए प्राक्-शास्त्री (ग्यारहवीं और बारहवीं), शास्त्री (बी.ए), शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए.ऑनर्स), शिक्षाशास्त्री (बी.एड.), आचार्य (एम.ए.) और विद्यावारिधि (पी एच डी) पाठ्यक्रम प्रदान करता है।
- कुल 08 कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विभाग हैं, अर्थात् व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, वेदांत, बौद्ध दर्शन, वेद, पौरहित्य और कर्मकांड और शिक्षाशास्त्र विभाग।
- इन पारंपरिक विभागों के अलावा, आधुनिक विषयों और भाषाओं को अंग्रेजी (अंग्रेजी भाषा और साहित्य), भारतीय भाषाओं (हिंदी और बंगाली), सामाजिक विज्ञान (राजनीति विज्ञान) विभागों के माध्यम से प्राक्-शास्त्री और शास्त्री शिक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में पेश किया जा रहा है। और समकालीन विज्ञान और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (पर्यावरण विज्ञान और कंप्यूटर शिक्षा) विभाग।
- हाल ही में शैक्षणिक सत्र - 2022-23 से योग विज्ञान और अध्यात्म विभाग भी शुरू किया गया है और यह विभाग शिक्षार्थियों के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक साबित होता है।
- इसके अलावा, यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि इस विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रम संरचना में अपने मूल सिद्धांत के साथ एनईपी-2020 को लागू किया है।
- सभी संस्कृत विषयों को सरल मानक संस्कृत (Simple Standard Sanskrit) के रूप में पढ़ाया जा रहा है।

## 2. परिसर का स्थान

<https://maps.app.goo.gl/yD3HKEENyYg4KXqr8>

एकलव्य परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, सिपाईपड़ा, लेम्बुचेरा, पश्चिम त्रिपुरा - 799210

## 3. मुख्य गतिविधियाँ

### स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्य परिसर, अगरतला में 15-08-2023 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सुबह 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय एकता के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। डॉ. राजीब घोष, सहायक आचार्य (शारीरिक शिक्षा) ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

### संस्कृत सप्ताह का आयोजन

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने त्रिपुरा के लेम्बुचेरा स्थित अपने परिसर परिसर में 27.08.2023 से 01.09.2023 तक संस्कृत सप्ताह मनाया। इसका उद्घाटन 27.08.2023 को उमाकांत अकादमी से आरएमएस चौमुहुनी होते हुए स्वामी विवेकानंद मैदान तक एक भव्य संस्कृत जागरूकता रैली के साथ किया गया।

28 और 29 अगस्त को विभिन्न प्रकार के संस्कृत साहित्यिक प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें केंद्रीय विद्यालय, कुंजाबन, रविशंकर एच.एस. के छात्र शामिल हुए। उमाकांत अकादमी, असम राइफल्स पब्लिक स्कूल, गांधीग्राम एच.एस. विद्यालय एवं एकलव्य परिसर से भी छात्रों ने भाग लिया।

30 और 31 अगस्त को दो विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए, जिनमें भाषाविज्ञान विभाग, त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. निरंजन उप्पूर और बांग्लादेश के चटगांव विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के एसोसिएट आचार्य डॉ. सिपक कृष्ण देब नाथ शामिल थे। यहां तक कि 30.08.2023 को दूरदर्शन केंद्र, अगरतला द्वारा 'भारतीय ज्ञान प्रणाली में संस्कृत का योगदान' विषय पर एक टॉक शो भी प्रसारित किया गया था जिसमें आचार्य सत्यदेव पोद्दार, माननीय कुलपति,

एमबीबी विश्वविद्यालय, प्रो. प्रभात कुमार महापात्र, निदेशक थे। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर र श्री दीपांकर राय, प्राचार्य, कुंजबन, अगरतला ने पैनल विशेषज्ञों के रूप में भाग लिए।

1 सितंबर, 2023 को संस्कृतसप्ताह का समापन सत्र आयोजित किया गया जिसमें एमबीबी विश्वविद्यालय, अगरतला के माननीय कुलपति आचार्य सत्यदेव पोद्दार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि पूरे सत्र की अध्यक्षता प्रो. सर्वनारायणझा जी ने की। प्रो.सर्वनारायणझा, माननीय कुलपति प्रभारी, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय।

परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि सबसे पुरानी और वैज्ञानिक भाषा होने के कारण संस्कृत में बड़े पैमाने पर कंप्यूटर और जनसमूह की आदर्श भाषा बनने की क्षमता है। सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव के समन्वयक अद्वैत वेदांत के सहायक आचार्य डॉ. श्रीकार जी एन थे।

## श्रीगणेश चतुर्थी मनाई गई

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला द्वारा दिनांक 19.09.2023 को प्रातः 11:00 बजे श्री गणेश चतुर्थी मनाई गई। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने परिसर के अन्य कर्मचारियों और छात्रों के साथ पूजा में भाग लिया और पवित्र यज्ञ किया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रकाश रंजन मिश्र, सहायक आचार्य (वेद विभाग) एवं डॉ. जितेन्द्र तिवारी, सहायक आचार्य (साहित्य) ने किया।

## हिंदी पखवाड़ा मनाया गया

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला में दिनांक 14-09-2023 से 29-09-2023 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह दिनांक 14-09-2023 को हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुकांत कुमार सेनापति उपस्थित रहे। सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. प्रभात कुमार महापात्र ने की। सम्पूर्ण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ब्रह्मा नंद मिश्र, सहायक प्राध्यापक (हिंदी) थे जबकि समन्वयक दर्शन विद्या शाखा के प्रमुख प्रो. अवधेश कुमार चौबे थे। उसी का समापन सत्र दिनांक 29-09-2023 को आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दूरदर्शन केंद्र, अगरतला के निदेशक श्री रामस्वरूप टाड़गर उपस्थित थे।

## केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया

पूरे देश के साथ समानता रखते हुए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने भी 01-10-2023 को सुबह 10 बजे स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। इस व्यापक स्वच्छता अभियान में परिसर के सभी छात्र और कर्मचारी शामिल हुए। लेम्बुचेरा बाजार से रवि कुमार एच.एस. तक के आसपास के क्षेत्रों में भाग लिया और सफाई की। विद्यालय। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सभी छात्रों को अपने-अपने पड़ोस के क्षेत्रों में उचित स्वच्छता की आवश्यकता और सामाजिक विस्तार सेवा के महत्व के बारे में बताया। इस स्वच्छता अभियान का समन्वयन नोडल अधिकारी, सहायक आचार्य (अद्वैत वेदांत) के रूप में डॉ. नेपाल दास और समन्वयक के रूप में डॉ. नन्ददुलाल मंडल, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) द्वारा किया गया।

## केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा पर्यावरण प्रदूषण, प्लास्टिक, लोग, स्थान और प्रतिज्ञा पर कार्यशाला आयोजित की गई

एक महीने तक चलने वाले स्वच्छ भारत अभियान अभियान के हिस्से के रूप में, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 06-10-2023 को बहुउद्देशीय हॉल में 'पर्यावरण प्रदूषण, प्लास्टिक, लोग, स्थान और प्रतिज्ञा' विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। छात्रों के लिए परिसर का इस कार्यशाला में वर्ल्ड फॉर वर्ल्ड फाउंडेशन, गुजरात के संस्थापक-निदेशक डॉ. मानसी बाल भागवा मुख्य अतिथि सह वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अपने भाषण में, उन्होंने सभी छात्रों को प्रकृति और मानव के बीच के अंतर्संबंध के बारे में बताया और प्रकृति को सभी प्रकार के मानव निर्मित खतरों से बचाने के लिए पहल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला के इस सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की। अपने भाषण में, उन्होंने परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के महत्व पर जोर दिया और सभी से परिसर के अंदर प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग करने से परहेज करने का आग्रह किया। इस कार्यशाला के समन्वयक शिक्षाशास्त्र के सहायक आचार्य डॉ. नन्ददुलाल मंडल थे।

## केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा प्राक्-शारदोत्सव मनाया गया

लेम्बुचेरा, 12-10-2023: केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के धर्मशास्त्र विभाग की तरफ से 12-10-2023 को अपने परिसर में प्राक्-शारदोत्सव मनाया। उत्सव के अन्तर्गत दोपहर 12 बजे 'पूर्वोत्तर भारत में दुर्गा पूजा परंपरा की उत्पत्ति और विकास' विषय पर एक विस्तार व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें संस्कृत विभाग से डॉ. अनिल कुमार आचार्य, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर कॉलेज को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। मंच पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में शिक्षा शास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. बीपीएम श्रीनिवास और धर्मशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. मनोज कुमार साहू का उल्लेख किया जा सकता है। इस सत्र में स्वागत भाषण और धन्यवाद ज्ञापन क्रमशः डॉ. इतिश्री महापात्रा और डॉ. प्रियदर्शिनी मेकप ने दिया जबकि मंच समन्वयन धर्मशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री विकास सरकार ने किया। पूरे सत्र की अध्यक्षता प्रो.अवधेश कुमार ने की। चौबे, निदेशक प्रभारी, सी एस यू, एकलव्य परिसर। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में दोपहर 2 बजे इसके बाद, छात्रों द्वारा रंगारंग दुर्गा पूजा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर परिसर का समस्त प्राध्यापक गण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

## केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा क्षेत्रीय नाट्य महोत्सव का आयोजन किया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा में एकलव्य परिसर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के 13 परिसरों में से एक, श्री की शुभ उपस्थिति में 9 नवंबर, 2023 को जोनल रूपकमहोत्सव (संस्कृत नाटक महोत्सव) का उद्घाटन किया गया। विकास देबबर्मा, आदिवासी कल्याण मंत्री, सरकार। मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा के. अपने संबोधन में श्री. विकास देबबर्मा ने विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना की क्योंकि यह लोगों को संस्कृत नाट्य कला और साहित्य के बारे में जानने का अवसर प्रदान करता है। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में विशिष्ट अतिथि के रूप में कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय, असम के कुलपति प्रो. प्रह्लाद जोशी और विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय, त्रिपुरा के प्राचार्य प्रो. तपन कुमार मैती का उल्लेख किया जा सकता है। आचार्य प्रह्लाद जोशी ने अपने संबोधन में कला और साहित्य के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान प्रणाली की समृद्ध परंपरा पर प्रकाश डाला, जबकि आचार्य तपन कुमार मैती ने संस्कृत कला और

साहित्य को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना की। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की।

2 दिनों तक चलने वाले इस नाटक महोत्सव में पांच अलग-अलग राज्यों के विभिन्न संस्थान भाग ले रहे हैं। ये संस्थान हैं-राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठम बिहार, डॉ. रामजी महेता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय बिहार, कालिया चक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पश्चिम बंगाल, जगदीश नारायणब्रह्मचारी आश्रम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय बिहार, श्रीरामसुंदर संस्कृत विश्वविद्यालयप्रतिस्थानम बिहार, श्रीसीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पश्चिम बंगाल, लक्ष्मीदेवी-श्रोफ-आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, सदाशिव परिसर, पुरी और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला।

## राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने श्री की शुभ उपस्थिति में अपने परिसर परिसर में डॉ. मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के अवसर पर 11-11-2023 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया। श्री एन.सी.शर्मा, माध्यमिक शिक्षा निदेशक, त्रिपुरा सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, उन्होंने एनईपी-2020 के मूल सिद्धांत के उचित कार्यान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि छात्र इस सकारात्मक नीति का अंतिम लाभ उठा सकें। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में सम्माननीय अतिथि के रूप में भवनस् कॉलेज ऑफ एजुकेशन, त्रिपुरा के प्राचार्य डॉ. रजत दे का उल्लेख किया जाना चाहिए। अपने संबोधन में, उन्होंने अपने सभी परिसरों में एनईपी-2020 को इसके मूल सिद्धांत के रूप में लागू करने में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की। शिक्षा शास्त्र विभाग के प्रमुख आचार्य बी पी एम श्रीनिवास भी सम्मानित अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित थे। मंच संयोजन डॉ. विचित्र रंजन पांडा, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) ने किया।

## केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में द्वितीय क्षेत्रीय युवा महोत्सव का आयोजन हुआ

22-11-2023 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा के एकलव्य परिसर में श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात के माननीय कुलपति आचार्य सुकांत कुमार सेनापति की शुभ

उपस्थिति में 3 दिवसीय क्षेत्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि। आचार्य सेनापति ने अपने संबोधन में कहा कि मानव व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए मन और शरीर की उचित परिणति आवश्यक है। प्राचीन काल से ही भारतीय ज्ञान प्रणाली शारीरिक और आध्यात्मिक विकास के लिए स्वस्थ शरीर और दिमाग की आवश्यकता पर जोर देती रही है। योग की भारतीय परंपरा इस संबंध में एक मील का पत्थर है। उन्होंने आगे कहा कि भविष्य की स्वस्थ पीढ़ी के निर्माण में अपनी विशाल भूमिका के लिए दुनिया भर में सभी सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा खेल के विभिन्न रूपों को अभी भी बढ़ावा दिया जा रहा है। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में प्रो. एस.के. पात्र सम्मानित अतिथि के रूप में एनआईटी, अगरतला के निदेशक उपस्थित थे। प्रो.एस.के.पात्र ने युवा उत्सव के माध्यम से खेल, खेल और योग को बढ़ावा देने में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की। इसके अलावा, सीएसयू, नई दिल्ली के निदेशक (कार्यक्रम) आचार्य मधुकेश्वर भट्ट और स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, मोहनपुर के प्राचार्य डॉ. हराधन साहा सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता सीएसयू, एकलव्य परिसर, अगरतला के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की। कुल 08 संस्थान जैसे राधामाधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मणिपुर, राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठम बिहार, श्री स्वामी परंकुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बिहार, डॉ. रामजी महेता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय बिहार, कालियाचकबिक्रमकिशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, श्रीरामसुंदर संस्कृत विश्वविद्यालयप्रतिस्थानम बिहार, श्रीसीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, सदाशिव परिसर, पुरी और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने विभिन्न राज्यों से भाग लिया।

## संविधान दिवस और जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 26-11-2023 को संविधान दिवस और जन जातीय गौरव दिवस मनाया। संविधान दिवस के अवसर पर आचार्य (डॉ.) नचिकेता मित्तल, रजिस्ट्रार, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और आचार्य अवधेश कुमार चौबे, विभागाध्यक्ष (बौद्ध दर्शन) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो.मित्तल ने मौलिक अधिकारों की पूर्ण क्षमता का आनंद लेने के लिए मौलिक कर्तव्यों के पालन के महत्व पर जोर दिया।

जबकि जन जातीय गौरव दिवस में एमबीबी विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के आचार्य बिंदू रंजन चकमा ने मुख्य अतिथि के रूप में सत्र की शोभा बढ़ाई और आचार्य अवधेश कुमार चौबे, विभागाध्यक्ष (बौद्ध दर्शन) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो चकमा ने अपने संबोधन

में आजादी हासिल करने में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के गौरवशाली योगदान पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर कुछ स्थानीय आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ताओं और शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। संविधान दिवस और जनजातीय गौरव दिवस के दोनों सत्रों की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की। इस अवसर पर परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## **केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में भाषा दिवस और अंतर्राष्ट्रीय बाजरा दिवस मनाया गया**

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में 11-12-2023 को अपने परिसर परिसर में भाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के प्रतियोगी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी मातृभाषा में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के प्रभारी निदेशक आचार्य बी.पी.एम.श्रीनिवास ने की। अपने संबोधन में, आचार्य श्रीनिवास ने कहा कि मातृभाषा का महत्व वास्तव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और सरकार द्वारा अनिवार्य इस तरह के आयोजनों में परिलक्षित होता है। भारत सरकार बड़े पैमाने पर स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने और संरक्षित करने में सहायक साबित होगी। इसके अलावा, विभिन्न स्थानीय भाषाओं में एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई जिसमें डॉ. बीनापानी चंदा ने क्रमशः बांग्ला में, डॉ. अपूर्व शर्मा ने असमिया में, डॉ. स्वर्ण कुमार मिश्रा ने उड़िया में और डॉ. ब्रह्मा नंद मिश्रा ने हिंदी में व्याख्यान दिया।

इसके अलावा, 11-12-2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा दिवस भी मनाया गया, जिसके अवसर पर आचार्य बीपीएम श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी ने सत्र की अध्यक्षता की और छात्रों को बाजरा के पौष्टिक महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बाजरा भविष्य में भोजन का एक अच्छा विकल्प होगा और विशेष रूप से विकासशील देशों में कुपोषण के मुद्दे को प्रभावी तरीके से संबोधित करेगा। इन दोनों आयोजनों में परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## **विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस और नशा मुक्ति भारत अभियान मनाया गया**



केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 14-12-2023 को मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नीलाद्रि पाल, सहायक आचार्य, कृषि महाविद्यालय, लेम्बुचेरा की शुभ उपस्थिति में विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस और नशा मुक्ति मुक्त भारत अभियान मनाया। डॉ. नीलाद्रि पाल ने अपने भाषण में मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने ऊर्जा की खपत को संतुलित करने के लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के उपयोग पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की। इस आयोजन के समन्वयक डॉ. श्रीकारा जीएन थे। वहीं नशामुक्ति भारत अभियान के तहत परिसर के समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

## केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में विश्व ब्रेल दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 04-01-2024 को मुख्य अतिथि के रूप में दृश्य विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के सशक्तिकरण संस्थान की प्रिंसिपल श्रीमती कृष्णा रॉय गांगुली की शुभ उपस्थिति में विश्व ब्रेल दिवस मनाया। अपने संबोधन में, श्रीमती गांगुली ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए लेखन प्रणाली शुरू करने में फ्रांसीसी शिक्षक लुई ब्रेल के योगदान पर प्रकाश डाला और इस कार्यक्रम के आयोजन में विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की। श्रीमती कृष्णा रॉय गांगुली के साथ उनके संस्थान के दो छात्र भी थे जिन्हें आगे की पढ़ाई के लिए थोड़ा प्रोत्साहन देकर प्रोत्साहित किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो.अवधेश कुमार चौबे ने की, जिन्होंने छात्रों को विभिन्न दृष्टिबाधित प्रसिद्ध लोगों के उदाहरणों से अवगत कराया, जिन्होंने समाज की भलाई के लिए बहुत योगदान दिया था। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. दिवेश शर्मा, सहायक आचार्य (ज्योतिष विभाग), श्री मोहनलाल वर्मा, सहायक आचार्य (साहित्य विभाग), डॉ. आशीष मिश्रा, सहायक आचार्य (वेद विभाग) ने किया। इस अवसर पर परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

## केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में राष्ट्रीय युव दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने स्वामी विवेकानंद की जयंती के सम्मान में 12-01-2024 को राष्ट्रीय युव दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के

रूप में रामकृष्ण मिशन प्राइवेट आईटीआई के प्राचार्य स्वामी वेदांगानंदजी उपस्थित रहे। अपने भाषण में, स्वामी वेदांगानंदजी ने कहा कि युवाओं के लिए एक आदर्श, विवेकानन्द के बारे में अभी भी और अधिक अध्ययन करने की आवश्यकता है ताकि उनकी व्यावहारिक सोच को उजागर किया जा सके और हमारे दैनिक जीवन में उनके प्रेरक शब्दों को आत्मसात किया जा सके। सुश्री जय साहा, सहायक आचार्य (संस्कृत विभाग), त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सम्मानित अतिथि के रूप में स्वामी विवेकानंद के जीवन के आध्यात्मिक पहलू पर प्रकाश डाला और सभी छात्रों को जीवन और राष्ट्र के प्रति समग्र दृष्टिकोण रखने के लिए प्रेरित किया। कैम्पस के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सत्र की अध्यक्षता की और सभी छात्रों से स्वामी विवेकानन्द की तरह जीवन के प्रति समावेशी सार्वभौमिक दृष्टिकोण रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर एक रैली का भी आयोजन किया गया जिसमें कैम्पस के सभी कर्मचारी और छात्र शामिल हुए। भाग लिया। इस आयोजन के समन्वयक डॉ. नंददुलाल मंडल, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) थे।

## **केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में पराक्रम दिवस मनाया गया**

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर ने 23-01-2024 को अपने परिसर परिसर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एमबीबी कॉलेज, अगरतला के प्राचार्य डॉ. निर्मल भद्र उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. निर्मल भद्र ने कहा कि नेताजी सुभाष युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उनके आदर्शों को भावी पीढ़ी के मन में बिठाने की जरूरत है ताकि सच्ची राष्ट्रियता की भावना पैदा हो सके। उनके अलावा, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य (इतिहास विभाग) डॉ. मोनीसंकर मिश्रा ने मुख्य वक्ता के रूप में सत्र में भाग लिया और स्वतंत्रता संग्राम में सुभाष चंद्र बोस के योगदान और आधुनिक युग में भी उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सत्र की अध्यक्षता की और अपने भाषण से सभी छात्रों को देशभक्ति के उत्साह से भर दिया। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. शिवरामकृष्ण सिंहा, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) द्वारा किया गया। इस अवसर पर परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## **केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया गया**

लेम्बुचेरा, त्रिपुरा, 26-01-2024: पूरे देश के साथ समानता रखते हुए, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 26-01-2024 को अपने परिसर परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया। इस कार्यक्रम के तहत सुबह 9 बजे परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने अपने भाषण में छात्रों के समक्ष इस दिन के महत्व और ब्रिटिश शासन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। डॉ. राजीब घोष, सहायक आचार्य (शारीरिक शिक्षा) इस कार्यक्रम के समन्वयक थे जबकि श्री. मोहनलाल वर्मा, सहायक आचार्य (साहित्य) और डॉ. आशीष मिश्रा, सहायक आचार्य (वेद) संयुक्त समन्वयक थे।

## पूर्वोत्तर राज्य स्तरीय शास्त्री स्पर्धा का उद्घाटन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में हुआ

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा में एकलव्य परिसर ने 27-01-2024 को पूर्वोत्तर राज्य स्तरीय शास्त्री स्पर्धा का उद्घाटन किया, जो संस्कृत के सहायक आचार्य डॉ. तन्मय भट्टाचार्य की शुभ उपस्थिति में 28-01-2024 तक जारी रहेगा। मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज और विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। अपने भाषण में डॉ. तन्मय भट्टाचार्य ने कहा कि संस्कृत शास्त्र भारतीय ज्ञान प्रणाली का आधार हैं और इस तरह के आयोजन जनता के बीच शास्त्री ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने और प्रसारित करने में सहायक हैं। डॉ. श्रीकार जी एन, सहायक आचार्य (अद्वैत वेदांत) और इस कार्यक्रम के समन्वयक ने अपने मुख्य भाषण सह स्वागत भाषण में बताया कि यह राज्य स्तरीय कार्यक्रम अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता का प्रारंभिक कार्यक्रम है जो केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा अयोध्या में आयोजित किया जाना है। नई दिल्ली। साथ ही उन्होंने बताया कि इस राज्य स्तरीय शास्त्रार्थ प्रतियोगिता में चुने गए प्रतिभागियों को अयोध्या में इस अखिल भारतीय शास्त्रार्थ स्पर्धा में भाग लेने के लिए पात्र माना जाएगा।

इस सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की। अपने संबोधन में आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने कहा कि इस प्रकार के शास्त्रीय प्रतिस्पर्धी आयोजन सभी शिक्षार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए एक शैक्षणिक मंच प्रदान करते हैं और इस आयोजन में सभी शिक्षार्थियों की सहज भागीदारी वास्तव में सराहनीय है। इस आयोजन के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के साहित्यिक प्रतिस्पर्धी

कार्यक्रम जैसे भाषण, प्रश्नोत्तरी, श्लोक पाठ आदि का आयोजन किया जाना है। इस अवसर पर परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## सात दिवसीय एन एस एस शिविर के भाग के रूप में रक्तदान कार्यक्रम का सी एस यू, एकलव्य परिसर में उद्घाटन किया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा ने 13-02-2024 को एक मेगा रक्तदान कार्यक्रम के साथ अपने परिसर परिसर में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का उद्घाटन किया। इस रक्तदान शिविर का समन्वय जीबी अस्पताल, अगरतला के ब्लड बैंक अनुभाग के डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा किया गया था। यह एनएसएस शिविर 18-02-2024 तक जारी रहना है। इसके उद्घाटन समारोह में आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, अगरतला के रजिस्ट्रार डॉ. ए. रंगनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया तथा मानवीय दृष्टिकोण से इस प्रकार के अभियान की आवश्यकता से अवगत कराया। परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सामाजिक परिप्रेक्ष्य में एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका पर प्रकाश डाला और छात्रों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। इस रक्तदान शिविर में परिसर के विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। परिसर के कार्यक्रम अधिकारी (एनएसएस) डॉ. नंददुलाल मंडल ने बताया कि इस 7 दिवसीय एनएसएस शिविर के हिस्से के रूप में विभिन्न प्रकार की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ जैसे रंगोली डिजाइनिंग, स्वच्छता अभियान, योग सत्र आदि आयोजित की जानी हैं।

## माननीय प्रधान मंत्री द्वारा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर की विभिन्न पूर्ण निर्माण परियोजनाओं का राष्ट्र को आभासी समर्पण

भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 20-02-2024 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के शैक्षणिक, प्रशासनिक, पुस्तकालय ब्लॉक, लड़कों और लड़कियों के छात्रावास, गेस्ट हाउस और स्टाफ क्वार्टर राष्ट्र को समर्पित (वस्तुतः) किया। यह निर्माण परियोजना 100.83 करोड़ रुपये की थी। इस अवसर पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री आचार्य (डॉ.) माणिक साहा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के लेम्बुचेरा परिसर में सशरीर उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो. (डॉ.) माणिक साहा ने सरकार द्वारा की गई सकारात्मक पहल पर प्रकाश डाला। उचित ढांचागत विकास के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दायरे को बढ़ाने में और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर

को पूर्वोत्तर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार में एक संपत्ति के रूप में माना। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि मानव संसाधन की उचित स्थिरता तभी संभव है जब इस मानव संसाधन की क्षमता को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाया जाए और उन्होंने आशा व्यक्त की कि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर त्रिपुरा में छात्रों के दिमाग में कैरियर केंद्रित ज्ञान पैदा करने की दिशा में प्रयास करेगा। . सुश्री प्रतिमा भौमिक, राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, सरकार। भारत सरकार ने भी विशेष अतिथि के रूप में मंच की शोभा बढ़ाई। सुश्री प्रतिमा भौमिक ने अपने संबोधन में सभी क्षेत्रों में वर्तमान सरकार की प्रगतिशील प्रकृति पर प्रकाश डाला और शिक्षा क्षेत्र में वर्तमान सरकार द्वारा की गई विभिन्न सकारात्मक सुधारात्मक पहलों के बारे में बताया। श्री राजेश भागवानी, मुख्य अभियंता, सीपीडब्ल्यूडी, त्रिपुरा भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. आर.जी. केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रभारी रजिस्ट्रार मुरली कृष्ण ने इस उद्घाटन सत्र में भाग लिया और स्वागत भाषण दिया, जबकि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने विश्वविद्यालय की ओर से सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन के माध्यम से गणमान्य व्यक्ति। अंत में राष्ट्रगान के साथ इस उद्घाटन सत्र का समापन किया गया।

## अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 21-02-2024 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया। इस अवसर पर बीबीएमसी, अगरतला के बांग्ला विभाग की सहायक आचार्य डॉ. बरनाली भौमिक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में डॉ. बरनाली घोष ने हमारे दैनिक जीवन में मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और आजादी से पहले बांग्लादेश की घटना का जिक्र करते हुए मातृभाषा दिवस की उत्पत्ति के इतिहास पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, विश्वविद्यालय में विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि के कई संकाय सदस्यों ने बांग्ला, उड़िया, तेलुगु, मराठी, कन्नड़ और हिंदी जैसी विभिन्न भाषाओं में मातृभाषा के महत्व के बारे में अपनी राय व्यक्त की। सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. बीनापानी चंदा, सहायक आचार्य (बंगाली) थीं जबकि मंच समन्वयन डॉ. ब्रह्मा नंद मिश्रा, सहायक आचार्य (हिंदी) ने किया। सभी छात्रों और कर्मचारियों ने सांस रोककर सत्र में भाग लिया।

## मतदाता जागरूकता अभियान मेरा पहला वोट देश के लिए

### आयोजित किया गया

भारत सरकार के निर्देश के अनुपालन में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा दिनांक 06-03-2024 को सायं 4 बजे मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। कैम्पस परिसर में इस अभियान में श्री बलराम दास, सहायक आचार्य (राजनीति विज्ञान) ने मतदान के अधिकार एवं वोट डालने की आवश्यकता पर व्याख्यान दिया। उन्होंने एक लोकतांत्रिक राष्ट्र में सभी मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो.अवधेश कुमार चौबे ने की। सत्र का संचालन डॉ. उत्तम कुमार सिंह, सहायक आचार्य (बौद्ध दर्शन) ने किया, जबकि पूरे कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. नंददुलाल मंडल, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) थे।

## सी एस यू, एकलव्य परिसर में वार्षिक दिवस आयोजित

28 अप्रैल, 2024, लेम्बुचरा, त्रिपुरा:-केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचरा ने 28 अप्रैल, 2024 को अपने परिसर परिसर में वार्षिक दिवस मनाया। श्री दर्शनलाल गोला, आई.जी.सीआरपीएफ, त्रिपुरा सेक्टर ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने संस्कृत भाषा की प्राचीनता और इस संस्कृत भाषा की मौलिकता के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने वर्तमान युग में इस प्राचीन भाषा की प्रासंगिकता पर भी चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने सभी छात्रों से खेल-कूद जैसी पाठ्येतर गतिविधियों में उत्साहपूर्वक शामिल होने का आग्रह किया। वार्षिक दिवस के इस अवसर पर, विभिन्न कक्षाओं की अंतिम परीक्षाओं में रैंक धारकों के साथ-साथ रूपक महोत्सव, युवा महोत्सव और अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों और विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, सत्र के दौरान कुछ संकाय सदस्यों को उनकी अतिरिक्त शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए भी सम्मानित किया गया। परिसर के निदेशक प्रो.प्रभात कुमार महापात्र ने सत्र की अध्यक्षता की और भविष्य में और अधिक रचनात्मक और पाठ्येतर पहल के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। यह कार्यक्रम धन्यवाद ज्ञापन और शांति मंत्र पाठ के साथ समाप्त हुआ।

## 4. संगोष्ठी/कार्यशाला/विशिष्ट व्याख्यान

### वास्तु शास्त्र पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के ज्योतिष विभाग ने 01-12-2023 को शुभ अवसर पर 'आधुनिक सन्धर्वे वास्तुशास्त्रस्य योगदानम्' (वर्तमान संदर्भ में वास्तु शास्त्र का योगदान) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि के रूप में आईआईआईटी (अगरतला) के निदेशक आचार्य (डॉ.) अभय कुमार की उपस्थिति। अपने संबोधन में प्रो अभय कुमार ने वास्तु शास्त्र के वैज्ञानिक पहलू और वर्तमान वास्तुकला पर इसके अपरिहार्य प्रभाव पर प्रकाश डाला। श्री मनोज कुमार सिंह, कार्यकारी अभियंता (सिविल), सीपीडब्ल्यूडी, टीसीडी-1, उषाबाजार ने इस शैक्षणिक सभा को विशेष अतिथि के रूप में संबोधित किया और वर्तमान वास्तुकला अध्ययन में वास्तु शास्त्र के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं को आत्मसात करने के महत्व पर जोर दिया ताकि स्थायी और प्रभावी हो सके। प्राचीन वास्तुशिल्प डिजाइन के समान निर्माण कार्य इस आधुनिक युग में शुरू किए जा सकते हैं। डॉ. चित्तरंजन नायक, सहायक आचार्य (ज्योतिष), राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, ने संसाधन व्यक्ति के रूप में सत्र में भाग लिया। अपने व्याख्यान में उन्होंने भारतीय ज्ञान प्रणाली के परिप्रेक्ष्य से वास्तु शास्त्र के इतिहास और मनुष्य के दैनिक जीवन पर इसके वैज्ञानिक प्रभाव पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आचार्य प्रभात कुमार महापात्र, निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने की। इस अवसर पर विभिन्न संस्थानों एवं एकलव्य परिसर के गणमान्य व्यक्ति, शोधार्थी, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभाग द्वारा 'आधुनिक सन्धर्वे वास्तुशास्त्रस्य योगदानम्' (वर्तमान संदर्भ में वास्तुशास्त्र का योगदान) विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का 02-12-2023 को औपचारिक समापन हो गया। मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य गंगा प्रसाद प्रसेन की शुभ उपस्थिति में। अपने संबोधन में, आचार्य प्रसेन ने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली हमारी संस्कृति और बौद्धिक सभाओं के मूल में निहित है, जो ज्ञान की आधुनिक धारा के साथ आईकेएस के ज्ञान के विशाल भंडार के पुनरुद्धार और आत्मसात करने का संकेत देती है। सम्मानित अतिथि के रूप में लखनऊ परिसर के निदेशक आचार्य सर्व नारायण झा ने वास्तु शास्त्र की वैज्ञानिक बारीकियों और दैनिक जीवन पर उनके प्रभाव पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के एडीजी प्रो. आलोक त्रिपाठी ने वास्तु शास्त्र की संहिताओं पर वैज्ञानिक निर्माण की प्राचीन प्रक्रिया और इसके सदियों से चले आ रहे प्रभाव को इस आधुनिक युग में भी बरकरार रखा। समापन सत्र की अध्यक्षता आचार्य प्रभात कुमार महापात्र, निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने की। इस अवसर पर विभिन्न संस्थानों एवं एकलव्य परिसर के गणमान्य व्यक्ति, शोधार्थी, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे।

## श्रीमद्भगवद् गीता के भक्ति रस पर विस्तार व्याख्यान सत्र आयोजित

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा ने 13-12-2023 को राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के पूर्व कुलपति आचार्य हरेकृष्ण सत्पथी की शुभ उपस्थिति में श्रीमद्भगवद्गीता में निहित 'भक्ति रस' पर एक विस्तार व्याख्यान सत्र आयोजित किया। संसाधन व्यक्ति। अपने संबोधन में, उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता में अंतर्निहित अध्यात्मवाद पर प्रकाश डाला और शिक्षार्थियों को व्यावहारिक दृष्टिकोण से इस पवित्र ग्रंथ की सामग्री का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आगे भगवद् गीता के उन पहलुओं के बारे में बताया जिनका पालन करके लोग सकारात्मक आध्यात्मिक जीवन जी सकते हैं। इस सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की। सत्र के समन्वयक एसोसिएट आचार्य एवं साहित्य विभाग के प्रमुख डॉ. पारितोष दास थे।

## धर्मशास्त्र विभाग द्वारा 7 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के धर्मशास्त्र विभाग ने 08-01-2024 को 'धर्मशास्त्रोपयोगिनं मीमांसान्यां विचारः' विषय पर 7 दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया जो 14-01-2024 तक जारी रही। मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य आचार्य चंदन चक्रवर्ती ने दीप प्रज्ज्वलित करके उद्घाटन सत्र की शुरुआत की। वही उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, बिहार के सेवानिवृत्त आचार्य आचार्य वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि धर्मशास्त्र आज भी समकालीन समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और वर्तमान न्यायिक व्यवस्था को भी प्रभावित करता है। सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से 50 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन सत्र में परिसर के सभी कर्मचारी और छात्र शामिल हुए। डॉ. मनोज कुमार साहू, सहायक आचार्य (धर्मशास्त्र) इस कार्यशाला के समन्वयक हैं जबकि डॉ. इतिश्री महापात्र और डॉ. सौम्यज्योति साहा इस कार्यशाला के संयुक्त समन्वयक हैं।

## सरल मानक संस्कृत पर एक दिवसीय कार्यशाला

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने 2 फरवरी 2024 को संस्कृत विभाग, नेताजी सुभाष महाविद्यालय, उदयपुर के सहयोग से सरल मानक संस्कृत



(सरलमानकसंस्कृतम्) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसी विषय पर एक और कार्यशाला 'सरल मानक संस्कृत' (सरलमानकसंस्कृतम्) संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से 3 फरवरी 2024 को और उसी तीसरे नंबर की निरंतरता में आयोजित किया गया था। 'सरल मानक संस्कृत' (सरलमानकसंस्कृतम्) पर कार्यशाला 4 फरवरी 2024 को एकलव्य परिसर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित की गई थी। इन सभी तीन सरलमानकसंस्कृतम् कार्यशालाओं को भारतीय भाषा समिति, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था। कॉलेज के संकाय सदस्य, संस्कृत विद्यालय के शिक्षक और संस्कृत कार्यशाला में राज्य के सभी जिलों से आये विद्वान शामिल हुए।

## पाली शिक्षा, साहित्य पर कार्यशाला आयोजित

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा ने 04-02-2024 को पाली शिक्षा, साहित्य पर एक कार्यशाला का उद्घाटन किया जो 04-03-2024 तक जारी रही। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति आचार्य गंगा प्रसाद प्रसेन मौजूद रहे। अपने भाषण में प्रो. प्रसेन ने कहा कि बौद्ध विहित और गैर-विहित ग्रंथों की भाषा के रूप में पाली अपने आप में जीवन जीने के सात्विक तरीके का संदेश देती है और इस प्रकार अनादि काल से जनता को आकर्षित करती है। श्री तृप्ति कांत हती, डीआइजी, सीआरपीएफ, विशेष अतिथि के रूप में इस सत्र में शामिल हुए। सीएसयू, लखनऊ कैंपस से इस कार्यशाला के सह-समन्वयक डॉ. जयवंत खंडारे ने मुख्य भाषण दिया।

परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने सत्र की अध्यक्षता की और पूर्वोत्तर क्षेत्र में इस कार्यशाला के आयोजन में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की पहल की सराहना की क्योंकि यह क्षेत्र बौद्ध दर्शन की उपजाऊ भूमि है और यह अनुकूल घटना फैल जाएगी। पालि साहित्य और दर्शन में मानव कल्याण के लिए मानवता का संदेश निहित है। इस कार्यशाला के संयोजक प्रो. (डॉ.) दीनानाथ शर्मा ने सम्मानित अतिथि के रूप में सत्र की अध्यक्षता की, जबकि एकलव्य परिसर के बुद्ध दर्शन और पाली विभाग के प्रमुख प्रो. दिल्ली इस कार्यशाला के समन्वयक हैं। 30 दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से गणमान्य व्यक्ति, संसाधन व्यक्ति और प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पाली शिक्षण और साहित्य पर कार्यशाला का समापन सत्र 04-03-2024 को सुबह 10 बजे त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल श्री इंद्रसेन रेड्डी नल्लू की शुभ उपस्थिति में आयोजित किया गया। अपने भाषण में, त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल, श्री इंद्रसेन रेड्डी नल्लू ने कहा कि बौद्ध विहित और गैर-विहित

ग्रंथों की भाषा के रूप में पाली भारतीय ज्ञान प्रणाली का एक अनिवार्य हिस्सा है और सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों को इसे बढ़ावा देने के लिए उचित रणनीति अपनानी चाहिए। जो उसी। उन्होंने इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजन के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को बढ़ाई भी दी। कैम्पस के निदेशक प्रो. प्रभात कुमार महापात्र ने स्वागत भाषण दिया, जबकि सीएसयू, लखनऊ कैम्पस से इस कार्यशाला के सह-समन्वयक डॉ. जयवंत खंडारे ने 30 दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेड़ी ने भी सत्र की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में उन्होंने टिप्पणी की कि पूर्वोत्तर क्षेत्र बौद्ध दर्शन की उपजाऊ भूमि है और यह अनुकूल घटना मानव कल्याण के लिए पाली साहित्य और दर्शन में निहित मानवता के संदेश को प्रसारित करेगी। एकलव्य परिसर के बुद्ध दर्शन एवं पाली विभाग के प्रमुख प्रो.अवधेश कुमार चौबे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। 30 दिनों तक चली इस कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से गणमान्य व्यक्तियों, संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन सत्र में परिसर का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सत्र का संचालन डॉ. गणेश्वर नाथ झा, सहायक आचार्य (व्याकरण) ने किया।

## **अकादमिक नेतृत्व पर विस्तार व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा ने 19-02-2024 को सुबह 10 बजे नव नालंदा महाविहार (मानित विश्वविद्यालय) के संस्कृत विभाग के प्रमुख आचार्य विजय कुमार कर्ण के तत्वावधान में अकादमिक नेतृत्व पर एक विस्तार व्याख्यान सत्र आयोजित किया। ), बिहार रिसोर्स पर्सन के रूप में। अपने संबोधन में आचार्य विजय कुमार कर्ण ने उच्च शिक्षण संस्थानों में संरक्षक और मार्गदर्शक के रूप में संकाय सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उनका मत था कि शिक्षकों को प्राप्त ज्ञान के व्यावहारिक पहलू को छात्रों के दिमाग में बिठाना चाहिए ताकि छात्र आत्मनिर्भर बन सकें। बौद्ध दर्शन के विभागाध्यक्ष प्रो.अवधेश कुमार चौबे ने विशेष अतिथि के रूप में सत्र की शोभा बढ़ाई, जबकि परिसर के निदेशक प्रो.प्रभात कुमार महापात्र ने सत्र की अध्यक्षता की। सभी छात्रों और कर्मचारियों ने सांस रोककर सत्र में भाग लिया।

## **आई के एस पर 5 दिवसीय एफडीपी सह राष्ट्रीय कार्यशाला का सी एस यू, एकलव्य परिसर में उद्घाटन**

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, होली क्रॉस कॉलेज, त्रिपुरा के संयुक्त सहयोग से 18 से 22 मार्च, 2024 तक 'आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ आईकेएस को आत्मसात करने की रणनीतियाँ' विषय पर 5 दिवसीय एफडीपी सह राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। इसका सत्र 18-03-2024 को सुबह 11 बजे केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में आयोजित किया गया था। एमबीबी विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के माननीय कुलपति आचार्य सत्यदेव पोद्दार ने मुख्य अतिथि के रूप में सत्र की अध्यक्षता की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक शिक्षा प्रणाली का उचित संश्लेषण तभी संभव होगा जब विद्वानों के संवाद के लिए इस तरह की शैक्षणिक पहल की जाएगी। डॉ. फादर बेनी के. जॉन सीएससी, होली क्रॉस कॉलेज के प्रिंसिपल, ने सम्मानित अतिथि के रूप में सत्र की शोभा बढ़ाई और कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ आईकेएस के उचित एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में सहयोगात्मक पहल भी की जाएगी। आचार्य पीवीबी सुब्रमण्यम, निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, रघुनाथ कीर्ति परिसर, उत्तराखंड ने सत्र को संसाधन व्यक्ति के रूप में संबोधित किया और गणित को बढ़ावा देने में भास्कराचार्य के समृद्ध योगदान पर प्रकाश डाला। इस सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की, जिन्होंने ज्योतिष शास्त्र में निहित वैज्ञानिक अवधारणाओं पर प्रकाश डाला। इस उद्घाटन सत्र का संचालन सहायक आचार्य (अंग्रेजी) डॉ. सुमन आचार्य ने किया।

एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, 'आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ आईकेएस को आत्मसात करने की रणनीतियाँ' पर 5 दिवसीय एफडीपी सह राष्ट्रीय कार्यशाला 22-03-2024 को आचार्य (डॉ.) माधव कुमार पांडा की गरिमामय उपस्थिति में औपचारिक रूप से समाप्त हो गई। मुख्य अतिथि के रूप में जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के धर्मशास्त्र विभाग के पूर्व प्रमुख। उसी के पांचवें तकनीकी सह समापन सत्र में, डॉ. बाबूराम स्वामी, एसोसिएट आचार्य (अंग्रेजी), दशरथ देब मेमोरियल कॉलेज, खोवाई ने 'भारतीय ज्ञान प्रणाली और साहित्य' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में सत्र को संबोधित किया। सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो प्रभात कुमार महापात्र ने की। यह 5 दिवसीय एफडीपी सह राष्ट्रीय कार्यशाला केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर और होली क्रॉस कॉलेज, त्रिपुरा के संयुक्त सहयोग से आयोजित की गई थी। सभी सत्रों में विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुश्री स्मिता देबनाथ और डॉ. सुभाष देबनाथ होली क्रॉस कॉलेज, अगरतला की ओर से क्रमशः समन्वयक और संयुक्त समन्वयक थे, जबकि डॉ. सुमन अचार्य और श्री सुब्रमण्यम भट्ट केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर की ओर से समन्वयक और संयुक्त समन्वयक थे।

## हिंदू कानून पर 7 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई

लेम्बुचेरा, त्रिपुरा, 22-03-2024: लेम्बुचेरा त्रिपुरा में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर के संकाय विकास केंद्र ने आचार्य (डॉ.) की शुभ उपस्थिति में 22-03-2024 को हिंदू कानून पर 7 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। मुख्य वक्ता के रूप में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी त्रिपुरा के माननीय कुलपति योगेश प्रताप सिंह। अपने संबोधन में प्रो. (डॉ.) योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि धर्मशास्त्र में निहित ज्ञान का विशाल भंडार हिंदू कानून तैयार करने में समृद्ध प्रभाव डालता है। इसके अलावा, पुरी के जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के धर्मशास्त्र विभाग के पूर्व प्रमुख आचार्य (डॉ.) माधव कुमार पांडा ने धर्मशास्त्र के उन क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जो मौजूदा हिंदू कानून में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की। इस राष्ट्रीय कार्यशाला के समन्वयक सहायक आचार्य (धर्मशास्त्र) डॉ. सौम्यज्योति साहा हैं।

सीएसयू के एकलव्य परिसर के संकाय विकास केंद्र द्वारा आयोजित हिंदू कानून पर 7 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 30-03-2024 को आचार्य जयकृष्ण मिश्रा, पूर्व आचार्य और धर्मशास्त्र के पीजी विभाग के प्रमुख, श्री जगन्नाथ की शुभ उपस्थिति में औपचारिक रूप से समाप्त हो गई। संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी। सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में उन्होंने हिंदू कानून को एन्कोडिंग और डिकोड करने में धर्मशास्त्र के योगदान पर प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने राय दी कि धर्मशास्त्र पर अधिक व्यापक शोध कार्य वर्तमान न्यायपालिका प्रणाली में इसे और अधिक मानव-केंद्रित बनाने के लिए हमारे शास्त्रों में निहित अधिक समृद्ध और ज्ञानवर्धक विचारों को शामिल करने में योगदान देगा। श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के पूर्व आचार्य आचार्य ब्रजकिशोर स्वैन ने भी सत्र की शोभा बढ़ाई। इस समापन सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के निदेशक आचार्य प्रभात कुमार महापात्र ने की और इस कार्यशाला की कार्यवाही के सफल समापन की सराहना की। इस कार्यशाला के समन्वयक श्री सौम्यज्योति साहा, सहायक आचार्य (धर्मशास्त्र) थे, जबकि समापन सत्र का मंच संचालन श्री विकास सरकार, सहायक आचार्य (धर्मशास्त्र) द्वारा किया गया था।

## 5. आर टी आई अधिनियम-2005 के अंतर्गत प्राप्त

### प्रश्नों/दिए गए उत्तरों की संख्या

- प्राप्त - 01
- उत्तर दिया - 01

# **ANNUAL REPORT 2023-24**

## **1. Introduction**

- Central Sanskrit University is purely a Central University. It has a total number of 13 campuses all over India. This University has been accredited with A++ Grade by NAAC recently. Thus Tripura has a campus with A++ Grade by NAAC as part of its Educational Hub. Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, Agartala, has started its journey herein Tripura since 04-06-2013 onwards.
- It has been allocated two premises by the Govt. of Tripura – one premise at Lembucherra measuring 3.25 acre & another at Taranagar Mohanpur measuring 9.22 acre. In the premise at Lembucherra measuring 3.25 acre, the academic and administrative wings of the campus are being run.
- At present, this campus offers Prakshastri (XI & XII) , Shastri Pratistha (B.A. Hons.), Shiksha Shastri (B.Ed), Acharya (M.A.) & Vidyavaridhi (Ph.D) for the learners.
- There is a total number of 08 program offering departments namely, Dept. Of Vyakarana, Sahitya, Jyotish, Dharmashastra, Vedanta, Bouddha Darshan, Ved, Paurihitya & Karmakanda & Shiksha Shastra.
- Other than these traditional departments, Modern Subjects & Languages are being offered as part of the course for Prakshastri & Shastri learners through the Departments of English (English Language & Literature), Indian Languages (Hindi & Bengali), Social Science (Political Science) and the Dept. of Contemporary Sciences and Natural Language Processing (Environment Science & Computer Education).
- Recently in the academic session - 2022-23 onwards the Department of Yogic Science and Spirituality has also been introduced and this department proves conducive in maintaining physical and psychological well-being of the learners.
- Further, it is to be mentioned that this university has implemented NEP-2020 with its core principle in the curriculum structure.
- All the Sanskrit subjects are being taught in the mode of Simple Standard Sanskrit (Saralmanak Sanskrit).

## **2. Location of the Campus**

<https://maps.app.goo.gl/yD3HKEENyYg4KXqr8>

Ekalavya Campus, Central Sanskrit University,  
Vill- Sipai Para, P.O- Lembucherra,  
West Tripura-799210

### 3. Main Activities

#### **Sanskrit Week Celebrated**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, Agartala, celebrated Sanskrit Week from 27.08.2023 to 01.09.2023 at its Campus premise at Lembucherra, Tripura. The same was inaugurated on 27.08.2023 with a grand Sanskrit awareness rally starting from Umakanta Academy via RMS Chowmuhuni to Swami Vivekanand Maidan.

Then on 28<sup>th</sup>& 29<sup>th</sup> August various kinds of Sanskrit literary competitive events were organized in which students from Kendriya Vidyalaya, Kunjaban, Ravi Shankar H.S. School, Umakanta Academy, Assam Rifles Public School, Gandhigram H.S. School and from the Ekalavya Campus itself participated.

On 30<sup>th</sup>& 31<sup>st</sup> August two special lectures were organized in which Dr. Niranjana Uppoor, Assistant Professor from the Dept. of Linguistics, Tripura Central University and Dr. Sipak Krishna Deb Nath, Associate Professor, the Dept. of Sanskrit, University of Chittagong, Bangladesh, addressed the audience. Even a talkshow on the topic 'Contribution of Sanskrit towards Indian Knowledge System' was telecasted by Doordarshan Kendra, Agartala on 30.08.2023 in which Prof. Satyadeo Poddar, hon'ble Vice-chancellor, MBB University, Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus & Shri Dipankar Ray, Principal, Kunjaban, Agartala, took part as panel experts.

Then on 1<sup>st</sup> September, 2023 the Valedictory session of the same was organized in which Prof. Satyadeo Poddar, hon'ble Vice-chancellor of MBB University, Agartala remained present as the Chief Guest whereas the whole session was presided over by Prof. Sarva Narayan Jha, hon'ble Vice-chancellor I/c of Central Sanskrit University.

Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus expressed his heartfelt gratitude to all to make this event successful and opined that Sanskrit being the oldest and scientific language does have the potentiality to become perfect language of computer and mass at large. Coordinator of this week long celebration was Dr. Shrikara GN, Assistant Professor, Advaita Vedanta.

#### **Independence Day Observed**

Central Sanskrit University Ekalavya Campus, Agartala observed Independence Day on 15-08-2023. Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus hoisted the National flag at 9 a.m. In his address, he stressed on the importance on national integration. On this occasion patriotic cultural events were also organized by the students. Dr. Rajib Ghosh, Assistant Professor (Physical Education) coordinated this event.

#### **Sri Ganapati Chaturthi Celebrated**

Sri Ganesh Chaturthi was celebrated by Central Sanskrit University, Ekalavya campus, Agartala, on 19.09.2023 at 11:00 am. Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus along with other staff and students of the campus took part in the puja and performed holy *yagna* (oblation). Dr. Prakash Ranjan Mishra, Assistant Professor (Dept. of Ved) and Dr. Jitendra Tiwari, Assistant Professor (Sahitya) coordinated this event.

### **Hindi Pakhwada Celebrated**

Every year alike this year too, Central Sanskrit University, Ekalavya campus, Agartala, celebrated Hindi Fortnight from 14-09-2023 to 29-09-2023. The opening ceremony of the program was held on 14-09-2023 in which Prof. Sukanta Kumar Senapati, Vice-Chancellor of Shri Somnath Sanskrit University, remained present as the Chief Guest. The session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus. Coordinator of the whole program was Dr. Brahma Nand Mishra, Assistant Professor (Hindi) whereas Prof. Awadesh Kumar Chaubey, Head of the School of Darshan, was the Convenor. The valedictory session of the same was conducted on 29-09-2023 in which Shri Ramswarop Tyger, Director of Doordarshan Kendra, Agartala, remained present as the Chief Guest. The session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus.

### **Swachhta Hi Seva Campaign Conducted by Central Sanskrit University, Ekalavya Campus**

Keeping parity with the whole nation Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura too conducted a massive cleanliness drive under the Swachhta Hi Seva Campaign on 01-10-2023 at 10 a.m. In this massive cleanliness drive all the students and staff of the Campus participated and cleaned the surrounding areas from Lembucherra market to Ravi Kumar H.S. School. Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus imbued all the students on the necessity of proper sanitation in their respective neighbourhood areas and importance of social extension service. This cleanliness drive was coordinated by Dr. Nepal Das as Nodal Officer, Assistant Professor (Advaita Vedanta) and Dr. Nandadulal Mandal, Assistant Professor (Shiksha Shastra) as Coordinator.

### **Workshop on Environment Pollution, Plastic, People, Place & Pledge Conducted by Central Sanskrit University, Ekalavya Campus**

As part of the month long Swachh Bharat Abhiyaan Campaign, Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura, conducted an awareness workshop on the theme, 'Environment Pollution, Plastic, People, Place & Pledge' on 06-10-2023 at Multipurpose Hall of the campus for the students. In this workshop, Dr. Mansee Bal Bhagava, Founder-Director of World for World Foundation, Gujarat, remained present as the Chief Guest cum Speaker. In her speech, she imbued all the students about the interrelation between nature & human beings and stressed on the necessity of taking initiatives for preserving nature from all kinds of man-made hazards. This session of the workshop was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus. In his speech, he emphasized on the importance of making campus plastic-free and urged all to abstain from using plastic products inside the campus.

Coordinator of this workshop was Dr. Nanda Dulal Mandal, Assistant Professor, Shiksha Shastra.

### **Praksharod Utsav Celebrated by Central Sanskrit University, Ekalavya Campus**

Department of Dharmashastra of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, Agartala celebrated Praksharod Utsav at its Campus premise on 12-10-2023. As part of the celebration, an extension lecture session was organized at 12 noon on the theme, 'The Origin & Development of Durga Puja Tradition in Northeast India' in which Dr. Anil Kumar Acharya from the Dept. of Sanskrit, Dr. B. R. Ambedkar College was invited as Chief Speaker. Among the other dignitaries on the dais, mention may be made of Dr. BPM Srinivas, Head of Shiksha Shastra Department and Dr. Manoj Kumar Sahoo, Head of the Dharmashastra Department. In this session the welcome speech & vote of thanks was delivered by Dr. Itishree Mohapatra & Dr. Priyadarshini Makup respectively whereas stage coordination was done by Shri Bikash Sarkar, Assistant Professor, Dharmashastra Department. The whole session was presided over by Prof. Awadesh Kumar Chaubey, Director I/c of CSU, Ekalavya Campus. In the second session of the event at 2 p.m. onwards, colourful Durga puja theme based cultural events were organized by the students. All the staff and students of the campus remained present on this occasion.

### **Zonal Drama Festival organized by Central Sanskrit University, Ekalavya Campus**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura, one of the 13 campuses of Central Sanskrit University, New Delhi inaugurated Zonal Rupakmahotsav (Sanskrit Drama Festival) on 9<sup>th</sup> November, 2023 within the auspicious presence of Sh. Bikash Debbarma, Tribal Welfare Minister, Govt. of Tripura as Chief Guest. In his address, Sh. Bikash Debbarma applauded this initiative of the University as it provides a scope to people to know about Sanskrit art of dramaturgy and literature. Among the other dignitaries mention may be made of Prof. Prahlad Joshi, Vice-chancellor of Kumar Bhaskar Varma Sanskrit & Ancient Studies University, Assam as Guest of honour & Prof. Tapan Kumar Maity, Principal of Agriculture College, Tripura as Special Guest. Prof. Prahlad Joshi in his address highlighted the enriching tradition of Indian Knowledge System in the domain of art & literature whereas Prof. Tapan Kumar Maity appreciated this initiative of the university for promoting Sanskrit art & literature. Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, presided over the inaugural session.

In this 2-day long drama festival various institutes from five different states are participating. These institutions are Rajkumaari Ganesh Sharma Sanskrit Vidyapeetham Bihar, Dr. Ramji Meheta Aadarsh Sanskrit Mahavidyalay Bihar, Kaliachakbikramkishore Aadarsh Sanskrit Mahavidyalay West Bengal, Jagadish narayanbrahmachari Ashram Aadarsh Sanskrit Mahavidyalay Bihar, Sriramsundar Sanskrit Vishwavidyapratisthanam Bihar, Srisitaram Vedic Aadarsh Sanskrit Mahavidyalay West Bengal, Laxmidevi-shrof-Aadarsh Sanskrit Mahavidyalay, Central Sanskrit University, Sadashiv Campus, Puri & Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, Agartala.

### **National Education Day Celebrated**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura, celebrated National Education Day on 11-11-2023 on the occasion of birth anniversary of Dr. Maulana Abul Kalam Azad in its campus premise within the auspicious presence of Sh. N.C. Sharma, Director of Secondary Education, Govt. of Tripura as Chief Guest. In his address, Sh. N. C. Sharma



highlighted the importance of education in making India self-reliant. Besides, he emphasized on the necessity of proper implementation of NEP-2020 in its core principle so that students can avail the ultimate benefit of this positive policy. This event was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus. Among the other dignitaries Dr. Rajat Dey, Principal, Bhavans College of Education, Tripura, as Guest of honour is to be mentioned. In his address, he applauded the initiative of Central Sanskrit University in implementing NEP-2020 in its core principle in all its campuses. Prof. BPM Srinivas, Head of Shiksha Shastra Dept. also graced the dais as Guest of honour. The stage coordination was done by Dr. Bichitra Ranjan Panda, Assistant Professor (Shiksha Shastra).

### **2<sup>nd</sup> Zonal Youth Festival Inaugurated at Central Sanskrit University, Ekalavya campus**

3-day long Zonal Youth festival inaugurated on 22-11-2023 at Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura within the auspicious presence of Prof. Sukanta Kumar Senapati, hon'ble Vice-chancellor of Shri Somnath Sanskrit University, Gujarat as Chief Guest. Prof. Senapati in his address opined that proper culmination of mind & body is essential for holistic development of human personality. From the time immemorial Indian Knowledge System emphasises on the necessity of healthy body and mind for physical & spiritual growth. Bharatiya tradition of yoga is a milestone in this regard. He further added that various forms of sports & games are still being promoted by all the Governments and educational institutions throughout the world for its immense role in making a healthier future generation. Among other dignitaries Prof. S.K. Patra, Director of NIT, Agartala as Guest of honour, appreciated the initiative of Central Sanskrit University in promoting sports, games & yoga through Youth Fest. Besides, Prof. Madhukeshwar Bhat, Director (Programme) of CSU, New Delhi & Dr. Haradhan Saha, Principal of Swami Vivekanand Mahavidyalay, Mohanpur, remained present as Guests of honour. The inaugural event was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of CSU, Ekalavya Campus, Agartala. A total number of 08 institutes such as Radhamadhav Aadarsh Sanskrit Mahavidyalay, Manipur, Rajkumaari Ganesh Sharma Sanskrit Vidyapeetham Bihar, Sri Swami Parankushachariya Adarsh Sanskrit Mahavidyalay, Bihar, Dr. Ramji Meheta Aadarsh Sanskrit Mahavidyalay Bihar, Kaliachakbikramkishore Aadarsh Sanskrit Mahavidyalay, West Bengal, Sriramsundar Sanskrit Vishwavidyapratisthanam Bihar, Srisitaram Vedic Aadarsh Sanskrit Mahavidyalay, West Bengal, Central Sanskrit University, Sadashiv Campus, Puri & Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, Agartala participated from various states.

### **Constitution Day & Jan Jatiya Gaurav Diwas Observed**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura, observed Constitution Day and Jan Jatiya Gaurav Diwas on 26-11-2023. On the occasion of Constitution Day Prof. (Dr.) Nachiketa Mittal, Registrar, National Law University, Tripuraremained present as Chief Guest and Prof. Awadesh Kumar Chaubey, HOD (Bauddha Darshan) remained present as Guest of honour. In his address, Prof. Mittal stressed on the importance of performing fundamental duties to relish on the full potentiality of fundamental rights.

Whereas in the Jan Jatiya Gaurav Diwas Prof. Bindu Ranjan Chakma , Dept. of Political Science, MBB University, graced the session as Chief Guest and Prof. Awadesh Kumar Chaubey, HOD (Bauddha Darshan) remained present as Guest of honour. Prof. Chakma in his address highlighted the glorious contribution of tribal freedom fighters in achieving independence. On this occasion, some local tribal social workers and academicians were felicitated. Both the sessions of Constitution Day & Jan Jatiya Gaurav Diwas were presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus. All the staff and students of the campus remained present on this occasion.

### **Bhasha Diwas & International Millets Day Celebrated at Central Sanskrit University, Ekalavya Campus**

Bhasha Diwas was celebrated at Central Sanskrit University, Ekalavya Campus on 11-12-2023 at its Campus premise. On this occasion, various kinds of competitive cultural events were organized in which students delivered their presentations in their mother tongue. This event was presided over by Prof. B.P.M Srinivas, Director I/c of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus. In his address, Prof. Srinivas opined that importance of mother language is truly reflected in the National Education Policy-2020 and such kinds of events as mandated by Govt. of India will prove conducive in promoting and preserving local languages at large. Besides this, a special lecture series in various local languages was conducted in which Dr. Binapani Chanda delivered a lecture in Bangla, Dr. Apurba Sharma in Assamese, Dr. Swarga Kumar Mishra in Odia & Dr. Brahma Nand Mishra in Hindi respectively.

Further, International Millets Day was also celebrated on 11-12-2023 on the occasion of which Prof. BPM Shrinivas, Director I/c chaired the session and imbued students about the nutritious importance of millets. He opined that millets will be a good food alternative in future and will address the issue of malnutrition in an effective way especially in developing countries. All the staff and students of the campus remained present on these two events.

### **World Energy Conservation Day and Drug addiction free Bharat Abhiyaan Observed**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura, observed World Energy Conservation Day and Drug Addiction free Bharat Abhiyaan campaign on 14-12-2023 within the auspicious presence of Dr. Niladri Pal, Assistant Professor, College of Agriculture, Lembucherra as Chief Guest. In his speech, Dr. Niladri Pal emphasised on the necessity of maintaining soil health. Further, he highlighted the usage of alternative sources of energy to balance the consumption of energy. This event was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus. Dr. Shrikara GN was the Coordinator of this event. Whereas under the campaign of drug addiction free India a pledge taking ceremony was administered within the presence of all the staff and students of the campus.

### **World Braille Day Celebrated at Central Sanskrit University**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura, celebrated World Braille Day on 04-01-2024 within the auspicious presence of Mrs. Krishna Roy

Ganguly, Principal from Institute for the Empowerment of Person's with Visual Disabilities(Divyanganjan) as Chief Guest. In her address, Mrs. Ganguly highlighted the contribution of Louis Braille, French Educator in introducing the writing system for visually challenged people and appreciated the initiative of the University in organizing this event. Mrs. Krishna Roy Ganguly was accompanied by two students from her Institute who were then encouraged with little incentives for further studies.

This event was presided over by Prof. Awadesh Kumar Chaubey, Director I/c of the Campus who imbued students with the examples of various visually challenged renowned people those who had contributed a lot for the betterment of the society. Dr. Divesh Sharma, Assistant Professor (Jyotish Dept.), Mr. Mohanlal Verma, Assistant Professor (Sahitya Dept. ), Dr. Ashish Mishra, Assistant Professor (Ved Dept. ) coordinated this event. All the staff and students of the campus remained present on this occasion.

### **National Youth Day Celebrated at Central Sanskrit University, Ekalavya Campus**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura, celebrated National Youth Day on 12-01-2024 to honour the birth anniversary of Swami Vivekanand. On this occasion Swami Vedanganandaji, Principal, Ramkrishna Mission Private ITI remained present as the Chief Guest. In his speech, Swami Vedanganandaji opined that Vivekanand, an icon for the youth still needs to be studied more with a view to unearth his insightful thinking and to assimilate his inspiring words in our day to day life. Ms. Jay Saha, Assistant Professor (Sanskrit Dept.), Tripura Central University as Guest of honour highlighted the spiritual aspect of Swami Vivekanand's life and imbued all students to keep a holistic approach towards life and nation. Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus, presided over the session and urged all the students to keep an inclusive universal outlook towards life like Swami Vivekanand. A rally was also organized on this occasion in which all the staff and students of the campus participated. Dr. Nandadulal Mandal, Assistant Professor (Shiksha Shastra) was the Coordinator of this event.

### **Parakram Diwas Observed at Central Sanskrit University, Ekalavya Campus**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus celebrated the birth anniversary of Netaji Subhash Chandra Bose as Parakram Diwas on 23-01-2024 in its campus premise. On this occasion, Dr. Nirmal Bhadra, Principal of MBB College, Agartala, remained present as the Chief Guest. In his address, Dr. Nirmal Bhadra opined that Netaji Subhash is an inspiration for the young generations and his ideals need to be inculcated in the mind of future generation so that true sense of nationalism can be generated. Besides him, Dr. Monisankar Misra, Assistant Professor (Dept. of History), Tripura Central University, attended the session as Chief Speaker and highlighted the contribution of Subhash Chandra Bose in the freedom struggle and his relevance in the modern era too. Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus presided over the session and imbued all students with patriotic fervour through his speech. This event was coordinated by Dr. Sivaramakrishna Simha, Assistant Professor (Shiksha Shastra). All the staff and students of the campus remained present on this occasion.

### **Republic Day Observed at Central Sanskrit University, Ekalavya Campus**

**Lembucherra, Tripura, 26-01-2024:** Keeping parity with the whole nation, Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura, observed Republic Day on 26-01-2024 at its Campus premise. As part of this event, National Flag was hoisted at 9 a.m. by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus. In his speech, Prof. Prabhat Kumar Mohapatra highlighted the

importance of this day in front of students and the contribution of freedom fighters during the British regime. All the staff and students of the campus remained present on this occasion. Dr. Rajib Ghosh, Assistant Professor (Physical Education) was the Coordinator of this event whereas Sh. Mohanlal Verma, Assistant Professor (Sahitya) & Dr. Ashish Mishra, Assistant Professor (Ved) were the joint Coordinators.

### **Northeast State Level Shastriya Spardha Inaugurated at Central Sanskrit University, Ekalavya Campus**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura, inaugurated Northeast State Level Shastriya Spardha on 27-01-2024 which is to be continued up to 28-01-2024 within the auspicious presence of Dr. Tanmoy Bhattacharya, Assistant Professor, the Sanskrit College and University, West Bengal as Chief Guest. In his speech, Dr. Tanmoy Bhattacharya opined that Sanskrit Shastras are the base of Indian Knowledge System and events like this are conducive in promoting and propagating Shastric knowledge system among the mass. Dr. Shrikara GN, Assistant Professor (Advaita Vedanta) & Coordinator of this event in his keynote cum welcome speech intimated that this State Level event is the preliminary event of All India Elocution Contest which is scheduled at Ayodhya to be organized by Central Sanskrit University, New Delhi. Besides, he informed that Participants elected in this State Level Shastrath Competition will be considered eligible to take part in this Akhil Bharatiya Shastrarth Spardha at Ayodhya.

This session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus. In his address, Prof. Prabhat Kumar Mohapatra opined that such kinds of Shastric competitive events provide an academic platform for all the learners' intellectual development and spontaneous participation of all the learners in this event is really appreciable. Various kinds of literary competitive events like elocution, quiz, sloka recitation etc. are to be organized as part of this event. All the staff and students of the campus remained present on this occasion.

### **Blood Donation Event as part of 7-day long NSS Camp Inaugurated at CSU, Ekalavya Campus**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, inaugurated a 7-day long NSS Camp in its campus premise with a mega blood donation event on 13-02-2024. This blood donation camp was coordinated by doctors and medical staff from the Blood Bank Section of G.B hospital, Agartala. This NSS Camp is to be continued up to 18-02-2024. In the inaugural event of the same, Dr. A. Ranganatha, Registrar, ICFAI University, Agartala, remained present as the Chief Guest. In his address, he imbued students for blood donation and apprised them about the necessity of such kinds of campaign from humanitarian perspective. Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus highlighted the role of NSS volunteers from social perspective and encouraged students for blood donation. Students and staff of the campus took part in this blood donation camp enthusiastically. Dr. Nandadulal Mandal, Programme Officer (NSS) of the campus intimated that various kinds of social and cultural activities such as rangoli designing, cleanliness drive, yoga session etc. are to be held as part of this 7-day long NSS Camp.

### **Virtual dedication of various accomplished construction projects of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus to Nation by the Hon'ble Prime Minister**

Shri Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister of India dedicated (virtually) to nation Academic, Administrative, Library block, Boys & Girls hostels, Guest house and Staff quarters of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus on 20-02-2024. This construction project was worth Rs. 100.83 crore. On this occasion, Prof (Dr.) Manik Saha, Chief Minister of Tripura, remained present physically at

Lembucherra premise of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus. In his address, Prof. (Dr.) Manik Saha brought into light positive initiatives taken by the Govt. in enhancing the scope of quality education with proper infrastructural development and regarded Central Sanskrit University, Ekalavya Campus as an asset in disseminating quality education here in the Northeast. Further, he opined that proper sustenance of human resource is only possible if the competence of this human resource is channelized towards self-reliance and expressed his hope that Central Sanskrit University, Ekalavya Campus will strive towards career centric knowledge inculcation in students' mind in Tripura. Ms. Pratima Bhoumik, Minister of State, Social Justice and Empowerment, Govt. of India, also graced the dais as Special Guest. In her address, Ms. Pratima Bhoumik highlighted the progressive nature of the present Government in all sectors and explained various positive reformative initiatives taken by the present Government in education sector. Shri Rajesh Bhagwani, Chief Engineer, CPWD, Tripura, also remained present as Special Guest. Prof. R.G. Murali Krishna, Registrar I/c of Central Sanskrit University, New Delhi attended this inaugural session and delivered the welcome address whereas Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, expressed his heartfelt gratitude on behalf of the University to all the dignitaries through vote of thanks. At the end, this inaugural session was ended with National Anthem.

### **International Matribhasha Diwas Celebrated**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura, celebrated International Mother Language Day on 21-02-2024. On this occasion Dr. Barnali Bhowmick Ghosh, Assistant Professor, Department of Bengali, BBMC, Agartala, remained present as the Chief Guest. In her address, Dr. Barnali Ghosh highlighted the importance of matribhasha in our day to day life and further brought into light the history of the origin of Matribhasha Diwas referring to the incident of Bangladesh prior to the independence. Besides, many faculty members in the university from various linguistic background expressed their opinions about the importance of Matribhasha in various languages such as Bangla, Oriya, Telugu, Marathi, Kannad and Hindi. The session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the campus. Dr. Binapani Chanda, Assistant Professor (Bengali) was the coordinator of this event whereas stage coordination was done by Dr. Brahma Nand Mishra, Assistant Professor (Hindi). All the students and staff attended the session with bated breath.

### **Voter Awareness Campaign Mera Pehla Vote Desh Ke Liye Held**

In compliance with the instruction of the Government of India, Central Sanskrit University, Ekalavya Campus conducted a voter awareness campaign on 06-03-2024 at 4 p.m. in the campus premise. In this campaign, Mr. Balaram Das, Assistant Professor (Political Science) delivered a lecture on the voting rights and the necessity of casting votes. He even highlighted the necessity of active participation of all the voters in a democratic nation. Prof. Awadesh Kumar Chaubey, Director I/c of the Campus chaired the session. Dr. Uttam Kumar Singh, Assistant Professor (Bouddha Darshan) coordinated the session whereas the Coordinator of the whole event was Dr. Nanda Dulal Mandal, Assistant Professor (Shiksha Shastra).

### **Annual Day Held at CSU, Ekalavya Campus**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, celebrated Annual Day on 28th April, 2024 in its campus premise. Mr. Darshan Lal Gola, I.G.CRPF, Tripura sector graced this event as the Chief Guest. In his address, he discussed at length about the antiquity of Sanskrit language and the originality of this Sanskrit language. He also discussed the relevance of this ancient language in the present era. Apart from this, he urged all the students to engage in extra-curricular activities like sports

& games enthusiastically. On this occasion of Annual Day, participants & winners of RupakMohotsav, YuvaMohotsav & All India Elocution contests were accoladed along with the rank holders in final examinations of various classes. Apart from that, some faculty members were also honoured for their additional academic achievements during the session. Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the campus, presided over the session and encouraged all for more creative and extra-curricular initiatives in future. This event was ended with vote of thanks & shanti mantra recitation.

## 4. Seminars/workshops/extension lectures

### National Seminar on Vastu Shastra Conducted

The Department of Jyotish of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, Agartala, inaugurated a 2-day National Seminar on the theme 'Aadhunik Sandharve Vastushastrasya Yogdanam' (Contribution of Vastu Shastra in the Present Context) on 01-12-2023 within the auspicious presence of Prof. (Dr.) Abhay Kumar, Director of IIIT (Agartala) as Chief Guest. In his address, Prof. Abhay Kumar highlighted the scientific aspect of Vastu Shastra and its inevitable influence on present day architecture. Shri Manoj Kumar Singh, Executive Engineer (Civil), CPWD, TCD-I, Ushabazar, addressed this academic gathering as Special Guest and stressed on the importance of assimilating various scientific aspects of Vastu Shastra in the present day architectural study so that enduring and effective construction works as ancient architectural design alike can be initiated in this modern era. Dr. Chittaranjan Nayak, Assistant Professor (Jyotish), National Sanskrit University, Tirupati, attended the session as Resource Person. In his lecture, he cast a light on the history of Vastu Shastra from the perspective of Indian Knowledge System and its scientific influence on human beings' day to day life. The inaugural session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director, Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, Agartala. Dignitaries, research scholars, staff and students of various institutions and of Ekalavya Campus itself remained present on this occasion.

The 2-day long National Seminar organized by the Department of Jyotish of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus on the theme 'Aadhunik Sandharve Vastushastrasya Yogdanam' (Contribution of Vastu Shastra in the Present Context) came to a formal end on 02-12-2023 within the auspicious presence of Prof. Ganga Prasad Prasain, hon'ble Vice-chancellor of Tripura Central University as Chief Guest. In his address, Prof. Prasain opined that Indian Knowledge System lies at the root of our culture and intellectual gatherings like this hint at the revival and assimilation of the vast trove of knowledge of IKS with the modern stream of knowledge. Prof. Sarva Narayan Jha, Director of Lucknow Campus as Guest of honour highlighted the scientific subtleties of Vastu Shastra and their impact on day to day life. Prof. Alok Tripathi, ADG, Archaeological Survey of India as Special Guest upheld the ancient procedure of scientific construction on the codes of Vastu Shastra and its age-long enduring impact in this modern era too. Valedictory session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director, Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, Agartala. Dignitaries, research scholars, staff and students of various institutions and of Ekalavya Campus itself remained present on this occasion.

### **Extension Lecture Session on the Bhakti Rasa of Srimadbhagavad Gita held**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra conducted an extension lecture session on 'Bhakti Rasa contained in the Srimad Bhagavadgita' on 13-12-2023 within the auspicious presence of Prof. Harekrishna Satpathi, Former Vice- Chancellor of National Sanskrit University, Tirupati as Resource Person. In his address, he highlighted spiritualism embedded in the Srimad Bhagavadgita and imbued learners to study the contents in this holy scripture from practical point of view. He further pointed out those aspects of the Bhagavad Gita by following which people may lead a positive spiritual life. This session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus. Coordinator of the session was Dr. Paritosh Das, Associate Professor & Head of Sahitya Department.

### **7-day long National Workshop Organized by the Dept. of Dharmashastra**

Department of Dharmashastra of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, inaugurated a 7-day long workshop on the theme 'Dharmashastropoyoginam Mimamsanyanan Vicharah' on 08-01-2024 which continued up to 14-01-2024. Prof. Chandan Chakraborty, retired Professor of the Sanskrit Department of Tripura Central University as Chief Guest initiated the inaugural session by lighting up the ceremonial lamp. In the inaugural session of the same Prof Vachaspati Sharma Tripathi, Retired Professor of Kameshwar Singh Darbhanga Sanskrit University, Bihar, remained present as the Chief Speaker. In his address, he opined that Dharmashastra still plays a crucial role in the contemporary society and influences the present judicial system also. The session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus. More than 50 participants have taken part in this workshop from various states of the country. All the staff and students of the campus attended the inaugural session. Dr. Manoj Kumar Sahoo, Assistant Professor (Dharmashastra) is the Coordinator of this workshop whereas Dr. Itishree Mohapatra and Dr. Soumyajyoti Saha are the Joint Coordinators of this workshop.

### **One Day Workshop on Simple Standard Sanskrit**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, Agartala organized a Workshop on **Simple Standard Sanskrit** (SARALAMANAKASANSKRITAM) in collaboration with the department of Sanskrit, Netaji Subhash Mahavidyalaya, Udaipur on 2<sup>nd</sup> February 2024. Another Workshop on the same theme '**Simple Standard Sanskrit**' (SARALAMANAKASANSKRITAM) in collaboration with the department of Sanskrit, Tripura University was held on 3<sup>rd</sup> February 2024 and in continuation of the same 3<sup>rd</sup> no. of workshop on '**Simple Standard Sanskrit**' (SARALAMANAKASANSKRITAM) was held at Ekalavya Campus, Central Sanskrit University on 4<sup>th</sup> February 2024. All these three SARALAMANAKASANSKRITAM workshops were

sponsored by Bharatiya Bhasha Samiti, Government of India. College faculty members, Sanskrit school teachers and Sanskrit scholars belonging to all districts of the state attended the workshop.

### **Workshop on Pali Education, Literature Held**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra, Tripura inaugurated a workshop on Pali Education, Literature on 04-02-2024 which continued up to 04-03-2024. Prof. Ganga Prasad Prasain, Vice-Chancellor, Tripura Central University, remained present as the Chief Guest in the inaugural session. In his speech, Prof. Prasain opined that Pali as a language of Buddhist canonical and non-canonical texts embeds in itself the message of sattvik way of living and thus appeals to the masses since the time immemorial. Shri Tripti Kant Hati, DIG, CRPF, graced this session as the Special Guest. Dr. Jaywant Khandare, Co-Coordinator of this workshop from CSU, Lucknow Campus, delivered the keynote address.

Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the campus presided over the session and appreciated the initiative of Central Sanskrit University, New Delhi in organizing this workshop here in the Northeast region as this region is the fertile ground of Buddhist philosophy and this conducive phenomena will disseminate the message of humanity contained in the Pali literature and philosophy for the welfare of human beings. Prof. (Dr.) Dinanatha Sharma, Convenor of this workshop chaired the session as Guest of honour whereas Prof. Awadesh Kumar Chaubey, Head of the Department of Buddha Darshan and Pali, Ekalavya Campus and Dr. Chakradhar Meher, Central Sanskrit University, New Delhi are the Coordinators of this workshop. In this 30-day long workshop dignitaries, resource person and participants are taking part from various parts of the country. All the staff and students of the campus remained present in the inaugural session.

Valedictory session of the workshop on Pali Teaching & Literature held on 04-03-2024 at 10 a.m. within the auspicious presence of Shri Indrasena Reddy Nallu, Hon'ble Governor of Tripura. In his speech, Shri Indrasena Reddy Nallu, Hon'ble Governor of Tripura opined that Pali as a language of Buddhist canonical and non-canonical texts is an inevitable part of Indian Knowledge System and all the Higher Educational Institutions must adopt the proper strategy for promotion of the same. He even congratulated Central Sanskrit University for organizing such kinds of academic event. Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus, delivered the welcome address whereas Dr. Jaywant Khandare, Co-Coordinator of this workshop from CSU, Lucknow Campus, presented the report of this 30-day long workshop.

Prof. Shrinivas Varakhedi, Vice-Chancellor of Central Sanskrit University, New Delhi also graced the session. In his address, he commented that Northeast region is the fertile ground of Buddhist philosophy and this conducive phenomena will disseminate the message of humanity contained in the Pali literature and philosophy for the welfare of human beings. Prof. Awadesh Kumar Chaubey, Head of the Department of Buddha Darshan and Pali, Ekalavya Campus, delivered the vote of thanks. In this 30-day long workshop dignitaries, resource person and participants took part from various parts of the country. All the staff and students of the campus remained present in the valedictory session. The session was coordinated by Dr. Ganeshwar Nath Jha, Assistant Professor (Vyakaran).

### **Extension lecture session on Academic Leadership conducted**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra conducted an extension lecture session on Academic Leadership on 19-02-2024 at 10 a.m. within the auspicious of Prof. Vijay Kumar Karna, Head of the Department of Sanskrit, Nav Nalanda Mahavihara (Deemed to be University), Bihar as



Resource Person. In his address, Prof. Vijay Kumar Karn highlighted the important role of faculty members in the Higher Educational Institutions as mentor and guide. He opined that teachers should inculcate in students' mind the practical aspect of achieved knowledge so that students may become self-reliant. Prof. Awadesh Kumar Chaubey, HoD, Bauddha Darshan, graced the session as Special Guest whereas Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus presided over the session. All the students and staff attended the session with bated breath.

#### **5-day long FDP cum National Workshop on IKS Inaugurated at CSU, Ekalavya Campus**

Central Sanskrit University, Ekalavya Campus in joint collaboration with Holy Cross College, Tripura, is organizing a 5-day long FDP cum National Workshop on 'Strategies for Assimilation of IKS with the Modern Education System' from 18 to 22 March, 2024. The inaugural session of the same was held on 18-03-2024 at 11 a.m. onwards at Central Sanskrit University, Ekalavya Campus. Prof. Satyadeo Poddar, Hon'ble Vice-Chancellor of MBB University, Tripura, chaired the session as the Chief Guest. In his address, he opined that proper synthesis of Indian Knowledge System & Modern Education system will only be possible when such kinds academic initiatives will be taken for scholarly dialogue. Dr. Fr. Benny K. John CSC, Holy Cross College, Principal, graced the session as Guest of honour and opined that future collaborative initiatives will also be taken to promote proper integration of IKS with the Modern education system. Prof. PVB Subrahmanyam, Director, Central Sanskrit University, Raghunath Kirti Campus, Uttarakhand addressed the session as Resource person and highlighted the enriching contribution of Bhaskaracarya in promoting Mathematics. This session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus who highlighted the scientific concepts embedded in Jyotish shastra. This inaugural session was coordinated by Dr. Suman Acharjee, Assistant Professor (English).

In another significant event, 5-day long FDP cum National Workshop on 'Strategies for Assimilation of IKS with the Modern Education System' came to a formal end on 22-03-2024 within the gracious presence of Prof (Dr.) Madhab Kumar Panda, former Head of PG Department of Dharmashastra, Jagannath Sanskrit University, Puri as Chief Guest. In the fifth technical cum valedictory session of the same, Dr. Baburam Swami, Associate Professor (English), Dasarath Deb Memorial College, Khowai, addressed the session as keynote speaker on the topic 'Indian Knowledge System and Literature'. The session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of the Campus. This 5-day long FDP cum National Workshop was organized in joint collaboration with Central Sanskrit University, Ekalavya Campus and Holy Cross College, Tripura. Participants from various Higher Educational institutions attended all the sessions. Ms. Smita Debnath & Dr. Subhas Debnath were the Coordinator & Joint Coordinator respectively from the side of Holy Cross College, Agartala whereas Dr. Suman Acharjee & Shri Subrahmanyam Bhat were the Coordinator & Joint Coordinator from the side of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus.

#### **7-day long National Workshop on Hindu Law Conducted**

**Lembucherra, Tripura, 22-03-2024:** Faculty Development Centre of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus at Lembucherra Tripura inaugurated 7-day long National Workshop on Hindu Law on 22-03-2024 within the auspicious presence of Prof. (Dr.) Yogesh Pratap Singh, Hon'ble Vice-Chancellor of National Law University Tripura as the keynote speaker. In his address, Prof. (Dr.) Yogesh Pratap Singh opined that the vast trove of knowledge embedded in Dharmashastra casts an enriching influence in framing Hindu Law. Besides, Prof(Dr.) Madhab Kumar Panda, former Head of PG Department of Dharmashastra, Jagannath Sanskrit University, Puri, highlighted those areas of Dharmashastra which play crucial role in the existing Hindu Law. Prof. Prabhat Kumar Mohapatra,

Director of the Campus presided over the session. Coordinator of this National workshop is Dr. Soumyajyoti Saha, Assistant Professor (Dharmashastra).

7-day long National Workshop on Hindu Law organized by the Faculty Development Centre of CSU, Ekalavya Campus ended formally on 30-03-2024 within the auspicious presence of Prof. Jayakrishna Mishra, Former Professor & Head of PG Dept. of Dharmashastra, Shri Jagannath Sanskrit University, Puri. As the keynote speaker of the session he highlighted the contribution of Dharmashastra in encoding and decoding Hindu Law. Further he opined that more extensive research work on Dharmashastra will contribute in incorporating more enriching and enlightening ideas embedded in our Shastras in the present judiciary system to make it more human-centric. Prof. Brajakishore Swain, former Professor of Shri Jagannath Sanskrit University, Puri, also graced the session. This valedictory session was presided over by Prof. Prabhat Kumar Mohapatra, Director of Central Sanskrit University, Ekalavya Campus, Agartala and applauded the successful completion of the proceedings of this workshop. The Coordinator of this workshop was Shri Soumyajyoti Saha, Assistant Professor (Dharmashastra) whereas the stage coordination of the valedictory session was done by Sri Bikash Sarkar, Assistant Professor (Dharmashastra).

## **5. No. of queries received/replies given under R.T.I. Act-2005**

- Received – 01
- Replied - 01